बी.ए. कार्यक्रम

(बी.ए.जी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई, 2021 तथा जनवरी, 2022 सत्रों के लिए)

BSKLA 135 संस्कृत भाषा और साहित्य

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

बी.ए. कार्यक्रम

सत्रीय कार्य (2021—22)

पाठ्यक्रम कोड : BSKLA 135

प्रिय छात्र/छात्राओं

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश :— सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ——————————

नाम : ——————————

पता : ——————————

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ——————————

सत्रीय कार्य कोड : ——————————

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : ——————————

दिनांक : ——————————

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए, और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजि,।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई, 2021 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2022

जनवरी, 2022 सत्र के लिएः 30 सितंबर, 2022

सत्रीय कार्य:

BSKLA 135 संस्कृत भाषा और साहित्य

पाठ्यक्रम कोड BSKLA-135

पाठ्यक्रम शीर्षक संस्कृत भाषा और साहित्य

सत्रीय कार्य - BSKLA-135 /TMA/2021-2022

पूर्णांक 100

नोट - सभी प्रश्न अनिवार्य हैं: -

(क) व्याख्या आधारित प्रश्न : **2*10 = 20**

1. अधोलिखित पद्यांश की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए

(अ) किमेकं यज्ञियं साम, किमेकं यज्ञियं यजुः ।
का चैषां वृणुते यज्ञं, कां यज्ञो नातिवर्तते ।।

अथवा

त्वमेव तावत्परिचिन्तय स्वयं, कदाचिदेते यदि योगमर्हतः ।
वधूदुकूलं कलहंसलक्षणं, गजाजिनं शोणितविन्दुवर्षि च ।।

(ब) न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यो लप्स्यामहे वित्तमद्राक्ष्म चेत् त्वा।
जीविष्यामो यावदीशिष्यसि त्वं वरस्तु मे वरणीयः स एव ।।

अथवा

दिवा तन्न प्रयोक्तव्यं नेत्रयोस्तीक्ष्णम् जनम् ।
विरेकदुर्बला दृष्टिरादित्यं प्राप्य सीदति ।
तस्मात् स्राव्यं निशायां तु ध्रुवमञ्जनमिष्यते ।।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न **10*5 = 50**

2. वर्णोच्चारण में करण किसे कहते हैं

3. काल के अनुसार लकारों का वर्णन करें

4. “लिख” धातु के लोट् लकार के रूप लिखें

5. कारक और विभक्ति में क्या संबन्ध है ?

6. ल्युट् और तुमुन् प्रत्यय का प्रयोग कहां होता है ?

7. निम्न में सन्धि किजिए-

ब्रह्म + ऋषि, हरे + ए, वाक् + मय, रामो + अत्र, सत् + जन, षण्मुख, स्वागत, उज्ज्वल

8. वाक्य कितने प्रकार के होते हैं?

9. यक्ष युधिष्ठिर संवाद का महत्व बताइये

10. आयुर्वेद के संहिता ग्रन्थों का उल्लेख किजिए

11. संस्कृत गद्य काव्य की विशेषता लिखें

(ग) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 3*10 = 30

12. शुकनासोपदेश के अनुसार लक्ष्मी का स्वरूप लिखें

13. पत्र लेखन के प्रकार और शैली लिखिए

14. पल्लवन का महत्त्व बताते हुए उसकी विधि का वर्णन करें